

वैकल्पिक वषिय – इतहास

प्रश्नपत्र-1

1. **स्रोत:** पुरातात्विक स्रोत: अन्वेषण, उत्खनन, पुरालेखवदिया, मुद्राशास्त्र, स्मारक, साहित्य स्रोत। स्वदेशी: प्राथमिक व द्वितीयक; कविता, विज्ञान साहित्य, साहित्य, कषेत्रीय भाषाओं का साहित्य, धार्मिक साहित्य। वदेशी वर्णन: यूनानी, चीनी एवं अरब लेखक
2. **प्रागैतहास एवं आद्य इतहास:** भौगोलिक कारक, शक्ति एवं संग्रहण (पुरापाषाण एवं मध्यपाषाण युग); कृषि का आरंभ (नवपाषाण एवं ताम्रपाषाण युग)।
3. **सधि घाटी सभ्यता:** उदगम, काल, वसितार, वशिषताएँ, पतन, अस्तित्व एवं महत्त्व, कला एवं स्थापत्य।
4. **महापाषाणयुगीन संस्कृतियाँ:** सधि से बाहर पशुचारण एवं कृषि संस्कृतियों का वसितार, सामुदायिक जीवन का विकास, बस्तियाँ, कृषि का विकास, शिल्पकर्म, मृदभांड एवं लौह उद्योग।
5. **आर्य एवं वैदिक काल:** भारत में आर्यों का प्रसार। वैदिक काल: धार्मिक एवं दार्शनिक साहित्य; ऋग्वैदिक काल से उत्तर वैदिक काल तक हुए रूपांतरण; राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक जीवन; वैदिक युग का महत्त्व; राजतंत्र एवं वर्ण व्यवस्था का कर्म विकास।
6. **महाजनपद काल:** महाजनपदों का निर्माण: गणतंत्रीय एवं राजतंत्रीय; नगर केंद्रों का उदभव; व्यापार मार्ग, आर्थिक विकास; टंकण (सकिका ढलाई); जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म का प्रसार; मगधों एवं नदों का उदभव। ईरानी एवं मकदूनियाई आक्रमण एवं उनके प्रभाव।
7. **मौर्य साम्राज्य:** मौर्य साम्राज्य की नींव, चंद्रगुप्त, कौटिल्य और अर्थशास्त्र; अशोक; धर्म की संकल्पना; धर्मादेश; राज्य व्यवस्था; प्रशासन; अर्थ-व्यवस्था; कला, स्थापत्य एवं मूर्तशिल्प; वदेशी संपर्क; धर्म; धर्म का प्रसार; साहित्य। साम्राज्य का वधितन; शुंग एवं कण्व।
8. **उत्तर मौर्य काल (भारत-यूनानी, शक, कुषाण, पश्चिमी कषत्रप):** बाहरी वशिव से संपर्क; नगर-केंद्रों का विकास, अर्थव्यवस्था, टंकण, धर्मों का विकास, महायान, सामाजिक दशाएँ, कला, स्थापत्य, संस्कृति, साहित्य एवं विज्ञान।
9. **प्रारंभिक राज्य एवं समाज; पूर्वी भारत, दकन एवं दक्षिण भारत में:** खारवेल, सातवाहन, संगमकालीन तमिल राज्य; प्रशासन, अर्थव्यवस्था, भूमि-अनुदान, टंकण, व्यापारिक श्रेणियों एवं नगर केंद्र; बौद्ध केंद्र, संगम साहित्य एवं संस्कृति, कला एवं स्थापत्य।
10. **गुप्त वंश, वाकाटक एवं वर्धन वंश:** राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन, आर्थिक दशाएँ, गुप्तकालीन टंकण, भूमि-अनुदान, नगर केंद्रों का पतन, भारतीय सामंतशाही, जाति प्रथा, सत्री की स्थिति, शक्ति एवं शैक्षणिक संस्थाएँ, नालंदा, विक्रमशिला एवं वल्लभी, साहित्य, विज्ञान, कला एवं स्थापत्य।
11. **गुप्तकालीन कषेत्रीय राज्य:** कदंब वंश, पल्लव वंश, बादामी का चालुक्य वंश; राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन, व्यापारिक श्रेणियों, साहित्य; वैष्णव एवं शैव धर्मों का विकास। तमिल भक्ति आंदोलन, शंकराचार्य; वेदांत, मंदिर संस्थाएँ एवं मंदिर स्थापत्य; पाल वंश, सेन वंश, राष्ट्रकूट वंश, परमार वंश, राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन; सांस्कृतिक पक्ष। सधि के अरब वजिता; अलबरूनी, कल्याणी का चालुक्य वंश, चोल वंश, होयसल वंश, पांड्य वंश, राज्य व्यवस्था एवं प्रशासन; स्थानीय शासन; कला एवं स्थापत्य का विकास, धार्मिक संप्रदाय, मंदिर एवं मठ संस्थाएँ, अग्रहार वंश, शक्ति एवं साहित्य, अर्थव्यवस्था एवं समाज।
12. **प्रारंभिक भारतीय सांस्कृतिक इतहास के प्रतपाद्य (Themes in Early Indian Cultural History):** भाषाएँ एवं मूलग्रंथ, कला एवं स्थापत्य के कर्म विकास के प्रमुख चरण, प्रमुख दार्शनिक चिंतक एवं शाखाएँ, विज्ञान एवं गणति के कषेत्र में वचिार।
13. **प्रारंभिक मध्यकालीन भारत, 750-1200**
 - ♦ राज्य व्यवस्था : उत्तरी भारत एवं प्रायद्वीप में प्रमुख राजनैतिक घटनाकर्म, राजपूतों का उदगम एवं उदय।
 - ♦ चोल वंश : ग्रामीण अर्थव्यवस्था एवं समाज
 - ♦ भारतीय सामंतशाही
 - ♦ कृषि अर्थव्यवस्था एवं नगरीय बस्तियाँ
 - ♦ व्यापार एवं वाणजिय
 - ♦ समाज : ब्राह्मण की स्थिति एवं नई सामाजिक व्यवस्था
 - ♦ सत्री की स्थिति
 - ♦ भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
14. **भारत की सांस्कृतिक परंपरा, 750-1200**
 - ♦ दर्शन: शंकराचार्य एवं वेदांत, रामानुज एवं वशिष्टाद्वैत, मध्व एवं ब्रह्म-मीमांसा।
 - ♦ धर्म : धर्म के स्वरूप एवं वशिषताएँ, तमिल भक्ति, संप्रदाय, भक्ति का विकास, इस्लाम एवं भारत में इसका आगमन, सूफी मत।
 - ♦ साहित्य : संस्कृत साहित्य, तमिल साहित्य का विकास, नवविकासशील भाषाओं का साहित्य, कल्हण की राजतरंगिणी, अलबरूनी का इंडिया।
 - ♦ कला एवं स्थापत्य : मंदिर स्थापत्य, मूर्तशिल्प, चित्रकला।
15. **तेरहवीं शताब्दी**
 - ♦ दिल्ली सल्तनत की स्थापना : गोरी के आक्रमण-गोरी की सफलता के पीछे कारक।
 - ♦ आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिणाम।
 - ♦ दिल्ली सल्तनत की स्थापना एवं प्रारंभिक तुर्क सुल्तान।
 - ♦ सुदृढीकरण : इलतुतमश और बलबन का शासन।
16. **चौदहवीं शताब्दी**

- ◆ खलिजी क्रांति
 - ◆ अलाउद्दीन खलिजी : वजिय एवं क्षेत्र-प्रसार, कृषि एवं आर्थिक उपाय ।
 - ◆ मुहम्मद तुगलक : प्रमुख प्रकल्प (Project), कृषि उपाय, मुहम्मद तुगलक की अफसरशाही ।
 - ◆ फरीज तुगलक : कृषि उपाय, सविलि इंजीनियरी एवं लोक निर्माण में उपलब्धियाँ, दिल्ली सल्तनत का पतन, वदिशी संपर्क एवं इबनबतूता का वर्णन ।
- 17. तेरहवीं एवं चौदहवीं शताब्दी का समाज, संस्कृति एवं अर्थव्यवस्था**
- ◆ समाज, ग्रामीण समाज की रचना, शासी वर्ग, नगर नवासी, स्त्री, धार्मिक वर्ग, सल्तनत के अंतर्गत जाति एवं दास प्रथा, भक्ति आन्दोलन, सूफी आन्दोलन ।
 - ◆ संस्कृति: फारसी साहित्य, उत्तर भारत की क्षेत्रीय भाषाओं का साहित्य, दक्षिण भारत की भाषाओं का साहित्य, सल्तनत स्थापत्य एवं नए स्थापत्य रूप, चित्रकला, सम्मिश्र संस्कृति का विकास ।
 - ◆ अर्थव्यवस्था : कृषि उत्पादन, नगरीय अर्थव्यवस्था एवं कृषित्तर उत्पादन का उद्भव, व्यापार एवं वाणज्य ।
- 18. पंद्रहवीं एवं प्रारंभिक सोलहवीं शताब्दी-राजनैतिक घटनाक्रम एवं अर्थव्यवस्था**
- ◆ प्रांतीय राजवंशों का उदय: बंगाल, कश्मीर (जैनुल आबदीन), गुजरात, मालवा, बहमनी ।
 - ◆ वजियनगर साम्राज्य
 - ◆ लोदी वंश
 - ◆ मुगल साम्राज्य, पहला चरण : बाबर एवं हुमायूँ
 - ◆ सूर साम्राज्य : शेरशाह का प्रशासन
 - ◆ पुरतगाली औपनिवेशिक प्रतष्ठान
- 19. पंद्रहवीं एवं प्रारंभिक सोलहवीं शताब्दी : समाज एवं संस्कृति**
- ◆ क्षेत्रीय सांस्कृतिक विशिष्टताएँ
 - ◆ साहित्यिक परंपराएँ
 - ◆ प्रांतीय स्थापत्य
 - ◆ वजियनगर साम्राज्य का समाज, संस्कृति, साहित्य और कला ।
- 20. अकबर**
- ◆ वजिय एवं साम्राज्य का सुदृढीकरण
 - ◆ जागीर एवं मनसब व्यवस्था की स्थापना
 - ◆ राजपूत नीति
 - ◆ धार्मिक एवं सामाजिक दृष्टिकोण का विकास, सुलह-ए-कुल का सिद्धांत एवं धार्मिक नीति
 - ◆ कला एवं प्रौद्योगिकी को राज-दरबारी संरक्षण ।
- 21. सत्रहवीं शताब्दी में मुगल साम्राज्य**
- ◆ जहाँगीर, शाहजहाँ एवं औरंगजेब की प्रमुख प्रशासनिक नीतियाँ
 - ◆ साम्राज्य एवं जमींदार
 - ◆ जहाँगीर, शाहजहाँ एवं औरंगजेब की धार्मिक नीतियाँ
 - ◆ मुगल राज्य का स्वरूप
 - ◆ उत्तर सत्रहवीं शताब्दी का संकट एवं वदिरोह
 - ◆ अहोम साम्राज्य
 - ◆ शिवाजी एवं प्रारंभिक मराठा राज्य
- 22. सोलहवीं एवं सत्रहवीं शताब्दी में अर्थव्यवस्था एवं समाज**
- ◆ जनसंख्या, कृषि उत्पादन, शिल्प उत्पादन
 - ◆ नगर, उद्योग, अंगरेजी एवं फ्रेंच कम्पनियों के माध्यम से यूरोप के साथ वाणज्य : व्यापार क्रांति
 - ◆ भारतीय व्यापारी वर्ग, बैंकिंग, बीमा एवं ऋण प्रणालियाँ
 - ◆ कस्बानों की दशा, स्त्रियों की दशा
 - ◆ सिख समुदाय एवं खालसा पंथ का विकास
- 23. मुगल साम्राज्यकालीन संस्कृति**
- ◆ फारसी इतिहास एवं अन्य साहित्य
 - ◆ हिन्दी एवं अन्य धार्मिक साहित्य
 - ◆ मुगल स्थापत्य
 - ◆ मुगल चित्रकला
 - ◆ प्रांतीय स्थापत्य एवं चित्रकला
 - ◆ शास्त्रीय संगीत
 - ◆ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
- 24. अठारहवीं शताब्दी**
- ◆ मुगल साम्राज्य के पतन के कारक
 - ◆ क्षेत्रीय सामंत देश: नजाम का दकन, बंगाल, अवध
 - ◆ पेशवा के अधीन मराठा उत्कर्ष
 - ◆ मराठा राजकोषीय एवं वित्तीय व्यवस्था
 - ◆ अफगान शक्तिका उदय, पानीपत का युद्ध-1761
 - ◆ ब्रिटिश वजिय की पूर्व संध्या में राजनीति, संस्कृति एवं अर्थव्यवस्था की स्थिति



प्रश्नपत्र-2

1. **भारत में यूरोप का प्रवेश:** प्रारंभिक यूरोपीय बस्तियों, पुर्तगाली एवं डच, अंग्रेज़ी एवं फ्राँसीसी ईस्ट इंडिया कंपनियों; आधिपत्य के लिये उनके युद्ध; कर्नाटक युद्ध; बंगाल-अंग्रेज़ों एवं बंगाल के नवाब के बीच संघर्ष; सरिज और अंग्रेज़; प्लासी का युद्ध; प्लासी का महत्त्व।
2. **भारत में ब्रिटिश प्रसार:** बंगाल - मीर जाफर एवं मीर कासमि; बक्सर का युद्ध; मैसूर, मराठा; तीन अंग्रेज़ - मराठा युद्ध; पंजाब
3. **ब्रिटिश राज की प्रारंभिक संरचना:** प्रारंभिक प्रशासनिक संरचना; द्वैधशासन से प्रत्यक्ष नियंत्रण तक; रेगुलेटिंग एक्ट (1773); पटिस इंडिया एक्ट (1784); चार्टर एक्ट (1833); मुक्त व्यापार का स्वर एवं ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का बदलता स्वरूप; अंग्रेज़ी उपयोगितावादी और भारत।
4. **ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का आर्थिक प्रभाव**
 - (क) ब्रिटिश भारत में भूमि - राजस्व बंदोबस्त; स्थायी बंदोबस्त; रैयतवारी बंदोबस्त; महालवारी बंदोबस्त; राजस्व प्रबंध का आर्थिक प्रभाव; कृषि का वाणज्यीकरण; भूमिहीन कृषि श्रमिकों का उदय; ग्रामीण समाज का परिक्षीणन।
 - (ख) पारंपरिक व्यापार एवं वाणज्य का वसिस्थापन; अनौद्योगिकीकरण; पारंपरिक शिल्प की अवनति; धन का अपवाह; भारत का आर्थिक रूपांतरण; टेलीग्राफ एवं डाक सेवाओं समेत रेल पथ एवं संचार जाल; ग्रामीण भीतरी प्रदेश में दुरभिक्ष एवं गरीबी; यूरोपीय व्यापार उद्यम एवं इसकी सीमाएँ।
5. **सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास:** स्वदेशी शिक्षा की स्थिति; इसका वसिस्थापन; प्राच्यवदि-आंग्लवदि विवाद, भारत में पश्चिमी शिक्षा का प्रादुर्भाव; प्रेस, साहित्य एवं लोक मत का उदय; आधुनिक मातृभाषा साहित्य का उदय; वजिज्ञान की प्रगति; भारत में क्रिश्चियन मिशनरी के कार्यकलाप।
6. **बंगाल एवं अन्य क्षेत्रों में सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन:** राममोहन राय, ब्रह्म आंदोलन; देवेन्द्रनाथ टैगोर; ईश्वरचन्द्र वदियासागर; युवा बंगाल आंदोलन; दयानंद सरस्वती; भारत में सती, विधवा विवाह, बाल विवाह आदि समेत सामाजिक सुधार आन्दोलन; आधुनिक भारत के विकास में भारतीय पुनर्जागरण का योगदान; इस्लामी पुनरूद्धार वृत्ति- फराइज़ी एवं वहाबी आन्दोलन।
7. **ब्रिटिश शासन के प्रति भारत की अनुक्रिया:** रंगपुर ढींग (1783), कोल वदिरोह (1832), मालाबार में मोपला वदिरोह (1841-1920), सन्थाल हुल (1855), नील वदिरोह (1859-60), दकन वपिलव (1875), एवं मुंडा उलगुलान (1899-1900) समेत 18वीं एवं 19वीं शताब्दी में हुए कसिान आंदोलन एवं जनजातीय वपिलव; 1857 का महावदिरोह-उद्गम, स्वरूप, असफलता के कारण, परिणाम; पश्च 1857 काल में कसिान वपिलव के स्वरूप में बदलाव; 1920 और 1930 के दशकों में हुए कसिान आंदोलन।
8. **भारतीय राष्ट्रवाद के जन्म के कारण:** संघों की राजनीति; भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की बुनियाद; कांग्रेस के जन्म के संबंध में सेफ्टी वाल्व का पक्ष; प्रारंभिक कांग्रेस के कार्यक्रम एवं लक्ष्य; प्रारंभिक कांग्रेस नेतृत्व की सामाजिक रचना; नरम दल एवं गरम दल; बंगाल का विभाजन (1905); बंगाल में स्वदेशी आन्दोलन; स्वदेशी आन्दोलन के आर्थिक एवं राजनैतिक परिप्रेक्ष्य; भारत में क्रांतिकारी उग्रपंथ का आरंभ।
9. **गांधी का उदय:** गांधी के राष्ट्रवाद का स्वरूप; गांधी का जनाकर्षण; रौलेट सत्याग्रह; खिलाफत आंदोलन; असहयोग आंदोलन समाप्त होने के बाद से सवनीय अवज्ञा आन्दोलन के प्रारंभ होने तक की राष्ट्रीय राजनीति, सवनीय अवज्ञा आन्दोलन के दो चरण; साइमन कमीशन; नेहरू रिपोर्ट; गोलमेज परिषद; राष्ट्रवाद और कसिान आंदोलन; राष्ट्रवाद एवं श्रमिक वर्ग आंदोलन; महिला एवं भारतीय युवा तथा भारतीय राजनीति में छात्र (1885-1947); 1937 का चुनाव तथा मंत्रालयों का गठन; क्रिप्स मिशन; भारत छोड़ो आन्दोलन; वैवल योजना; कैबिनेट मिशन।
10. **औपनिवेशिक:** भारत में 1858 और 1935 के बीच सांविधानिक घटनाक्रम।
11. **राष्ट्रीय आन्दोलन की अन्य कड़ियाँ:** क्रांतिकारी; बंगाल, पंजाब, महाराष्ट्र, यू.पी., मद्रास प्रदेश, भारत से बाहर, वामपक्ष; कांग्रेस के अंदर का वाम पक्ष; जवाहरलाल नेहरू, सुभाषचन्द्र बोस, कांग्रेस समाजवादी पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, अन्य वामदल।
12. **अलगाववाद की राजनीति:** मुसलमि लीग; हिन्दू महासभा; सांप्रदायिकता एवं विभाजन की राजनीति; सत्ता का हस्तान्तरण; स्वतंत्रता।
13. **एक राष्ट्र के रूप में सुदृढीकरण:** नेहरू की विदेश नीति; भारत और उसके पड़ोसी (1947-1964); राज्यों का भाषावाद पुनर्गठन (1935-1947); क्षेत्रीयतावाद एवं क्षेत्रीय असमानता; भारतीय रयिस्तों का एकीकरण; नरिवाचन की राजनीति में रयिस्तों के नरेश (प्रसि); राष्ट्रीय भाषा का प्रश्न।
14. **1947 के बाद जाति एवं नृजातित्व:** उत्तर-औपनिवेशिक नरिवाचन- राजनीति में पछिड़ी जातियाँ एवं जनजातियाँ; दलित आंदोलन।
15. **आर्थिक विकास एवं राजनीतिक परिवर्तन:** भूमि सुधार; योजना एवं ग्रामीण पुनर्रचना की राजनीति; उत्तर औपनिवेशिक भारत में पारसिथितिकी एवं पर्यावरण नीति; वजिज्ञान की तरक्की।
16. **प्रबोध एवं आधुनिक विचार**
 - (i) प्रबोध के प्रमुख विचार : कांट, रूसो
 - (ii) उपनिवेशों में प्रबोध - प्रसार
 - (iii) समाजवादी विचारों का उदय (मार्क्स तक); मार्क्स के समाजवाद का प्रसार
17. **आधुनिक राजनीति के मूल स्रोत**
 - (i) यूरोपीय राज्य प्रणाली
 - (ii) अमेरिकी क्रांति एवं संविधान
 - (iii) फ्राँसिसी क्रांति एवं उसके परिणाम, 1789-1815
 - (iv) अब्राहम लकिन के संदर्भ के साथ अमरीकी सविलि युद्ध एवं दासता का उनमूलन
 - (v) ब्रिटिश गणतंत्रात्मक राजनीति, 1815-1850; संसदीय सुधार, मुक्त व्यापारी, चार्टरवादी।
18. **औद्योगिकीकरण**
 - (i) अंग्रेज़ी औद्योगिकी क्रांति : कारण एवं समाज पर प्रभाव।
 - (ii) अन्य देशों में औद्योगिकीकरण: यू.एस.ए., जर्मनी, रूस, जापान।
 - (iii) औद्योगिकीकरण एवं भूमंडलीकरण।
19. **राष्ट्र राज्य प्रणाली**
 - (i) 19वीं शताब्दी में राष्ट्रवाद का उदय
 - (ii) राष्ट्रवाद : जर्मनी और इटली में राज्य नरिमाण।
 - (iii) पूरे विश्व में राष्ट्रीयता के आवरिभाव के समक्ष साम्राज्यों का वधितन।
20. **साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद**
 - (i) दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्व एशिया
 - (ii) लातीनी अमरीका एवं दक्षिण अफ्रीका

(iii) ऑस्ट्रेलिया

(iv) साम्राज्यवाद एवं मुक्त व्यापार : नवसाम्राज्यवाद का उदय ।

21. क्रांति एवं प्रतक्रांति

(i) 19वीं शताब्दी की यूरोपीय क्रांतियाँ

(ii) 1917-1921 की रूसी क्रांति

(iii) फासीवाद प्रतक्रांति, इटली एवं जर्मनी

(iv) 1949 की चीनी क्रांति

22. विश्व युद्ध

(i) संपूर्ण युद्ध के रूप में प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध : समाजीय नहितार्थ

(ii) प्रथम विश्व युद्ध : कारण एवं परिणाम

(iii) द्वितीय विश्व युद्ध : कारण एवं परिणाम

23. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का विश्व

(i) दो शक्तियों का आवर्भाव

(ii) तृतीय विश्व एवं गुटनरिपेक्षता का आवर्भाव

(iii) संयुक्त राष्ट्रसंघ एवं वैश्विक विवाद

24. औपनिवेशिक शासन से मुक्ति

(i) लातीनी अमरीका - बोलीवर

(ii) अरब विश्व - मस्िर

(iii) अफ्रीका - रंगभेद से गणतंत्र तक

(iv) दक्षिण-पूर्व एशिया - वयितनाम

25. व-औपनिवेशीकरण एवं अल्पविकास

(i) विकास के बाधक कारक : लातीनी अमरीका, अफ्रीका ।

26. यूरोप का एकीकरण

(i) युद्धोत्तर स्थापनाएँ NATO एवं यूरोपीय समुदाय (यूरोपियन कम्युनिटी)

(ii) यूरोपीय समुदाय (यूरोपियन कम्युनिटी) का सुदृढीकरण एवं प्रसार

(iii) यूरोपीय संघ

27. सोवियत यूनियन का वधितन एवं एक ध्रुवीय विश्व का उदय

(i) सोवियत साम्यवाद एवं सोवियत यूनियन को नपित तक पहुँचाने वाले कारक, 1985-1991

(ii) पूर्वी यूरोप में राजनीतिक परिवर्तन 1989-2001

(iii) शीत युद्ध का अंत एवं अकेली महाशक्ति के रूप में US का उत्कर्ष ।